MAKHANLAL CHATURVEDI NATIONAL UNIVERSITY OF JOURNALISM AND COMMUNICATION

// UNIVERSITY LIBRARY //

-: NEWS CLIPPING SERVICE -:

DATE:08 OCTOBER 2025

...पिछले प्रदर्शन करेगा।

ऐसी विभूतियां जो समाज हित के लिए कार्य कर रही हैं उनका सम्मान जरुरी

सप्रे संग्रहालय में सम्मान समारोह का आयोजन

● भोपाल / राज न्यूज नेटवर्क

ऐसी विभूतियां जो व्यापक समाज हित के लिए विशिष्ट और मूल्यवान कार्य कर रही हैं, उनके कार्यों का मूल्यांकन कर उन्हें सम्मानित किया जाना समाज का दायित्व है। यह कहना है माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी का। वे मंगलवार को माधवराव सप्रे स्मृति समचार पत्र संग्रहालय एवं शोध संस्थान में आयोजित सम्मान समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता साहित्य अकादमी के निदेशक डॉ. विकास दवे ने की। वहीं सेज विवि के कुलाधिपति संजीव अग्रवाल विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली विभूतियों को सम्मानित किया गया। डॉ. विकास दवे ने कहा कि इस मंच से शिक्षा, ज्ञान परंपरा, पर्यावरण, पत्रकारिता आदि क्षेत्रों की प्रतिभाओं का सम्मानित किया गया है। विशिष्ट अतिथि संजीव अग्रवाल ने कहा कि सप्रे संग्रहालय ज्ञान का खजाना है। यहां संग्रहीत सामग्री का डिजिटाइजेशन हो रहा है, इससे यह सामग्री आने वाली कई पीढ़ियों के लिए सुरक्षित हो गई है। वेद मर्मज्ञ आचार्य प्रभुदयाल मिश्र ने वक्तव्य देते हुए कहा कि गांधी सनातन वैष्णव परंपरा की पहचान हैं।

इनका हुआ सम्मान

कार्यक्रम में भारतीय ज्ञान परंपरा के अध्येता आचार्य प्रभुदयाल मिश्र को महात्मा गांधी सम्मान से विभूषित किया गया। शिक्षाविद डॉ. सरोज गुप्ता, सागर को डॉ. हरिकृष्ण दत्त शिक्षा सम्मान, डॉ. लक्ष्मी नारायण गुप्त महाकौशल पत्रकारिता पुरस्कार जबलपुर के वरिष्ठ पत्रकार संजय साहू को प्रदान किया गया। इंदौर में शोध संदर्भ सामग्री के संचयन में तीन दशक से समर्पित कमलेश सेन, उद्घोषक संजय श्रीवास्तव तथा सुनील दुबे वृन्दावन को कर्मवीर सम्मान से सम्मानित किया गया। साथ ही पत्रकार दिनेश शुक्ल को उत्कृष्ट पत्रकारिता के लिए रामेश्वर गुरु पुरस्कार दिया गया। इसके साथ ही स्वतंत्रता संग्राम सेनानी पं. सुंदरलाल श्रीधर की स्मृति में आयोजित राज्य स्तरीय निबंध प्रतियोगिता के प्रतिभागियों को भी इस अवसर पर पुरस्कृत किया गया।

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'RAJ EXPRESS'08 OCTOBER.2025

सप्रे संग्रहालय में सम्मान समारोह

भोपाल. माधवराव सप्रे संग्रहालय में मंगलवार को आयोजित सम्मान समारोह में समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाली विभूतियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में महात्मा गांधी सम्मानः आचार्य प्रभुदयाल मिश्र (भोपाल), डॉ. हरिकृष्ण दत्त शिक्षा सम्मानः डॉ. सरोज गुप्ता (सागर), डॉ. लक्ष्मीनारायण गुप्त पत्रकारिता पुरस्कारः संजय साहू (जबलपुर), कर्मवीर सम्मानः कमलेश सेन, संजय श्रीवास्तव, सुनील दुबे 'वृक्षमित्र', रामेश्वर गुरु पुरस्कारः दिनेश शुक्ल को दिया गया। सम्मान समारोह में पं. सुंदरलाल श्रीधर स्मृति राज्य स्तरीय निबंध प्रतियोगिता के विजेताओं को भी पुरस्कृत किया गया।

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'PATRIKA'08 OCTOBER.2025

समाजहित में कार्यरत विभूतियों का सम्मान समाज का नैतिक दायित्व

कार्यक्रम ● सप्रे संग्रहालय में सम्मान समारोह का आयोजन, सात प्रतिभाएं सम्मानित

नवदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल: ऐसी विभूतियां जो समाज हित के लिए विशिष्ट और मूल्यवान कार्य कर रही हैं, उनके कार्यों का मूल्यांकन कर उन्हें सम्मानित किया जाना समाज का दायित्व है। जिन्हें सम्मानित किया गया है उनका कृतित्व तो वंदनीय है ही, इस पुनीत दायित्व के निर्वहन के लिए सप्रे संग्रहालय भी बधाई का पात्र है। यह कहना है माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी का।

वे मंगलवार को माधवराव सप्रे स्मृति समचार पत्र संग्रहालय एवं शोध संस्थान में आयोजित सम्मान समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। अध्यक्षता साहित्य अकादमी के निदेशक डा. विकास दवे ने की। सेज विवि के कुलाधिपति संजीव अग्रवाल विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली विभूतियों को सम्मानित किया गया। डा. विकास दवे ने कहा कि इस मंच से शिक्षा, ज्ञान परंपरा, पर्यावरण, पत्रकारिता आदि क्षेत्रों की प्रतिभाओं का सम्मानित किया गया है। यही वह क्षेत्र हैं जो समाज को प्रभावित करते हैं। कार्यक्रम में इतिहासकार शंभुदयाल गुरु, रंगकर्मी राजीव वर्मा, संग्रहालय के संस्थापक निदेशक विजयदत्त श्रीधर, समिति के अध्यक्ष डा. शिवकुमार अवस्थी, विवेक श्रीधर के साथ ही जिन मनीषियों के नाम से सम्मान स्थापित हैं उनके परिजन एवं शहर के प्रबुद्धजन उपस्थित रहे।

माधवराव सप्रे संग्रहालय में आयोजित सम्मान समारोह में उत्कृष्ट कार्य करने वाली विभूतियों को सम्मानित किया गया। ● नवदुनिया

सम्मान समारोह में ये विभूतियां सम्मानित

समारोह में भारतीय ज्ञान परंपरा के अध्येता आचार्य प्रभुदयाल मिश्र, भोपाल को 'महात्मा गांधी सम्मान' से विभूषित किया गया। शिक्षाविद डा. सरोज गुप्ता, सागर को डा. हरिकृष्ण दत्त शिक्षा सम्मान तथा संजय साहू को डा. लक्ष्मीनारायण गुप्त महाकौशल पत्रकारिता पुरस्कार प्रदान किया। इंदौर में शोध संदर्भ सामग्री के संचयन में तीन दशक से समर्पित कमलेश सेन, उद्घोषक संजय श्रीवास्तव तथा सुनील दुबे 'वृक्षमित्र' को कर्मवीर सम्मान से सम्मानित किया वरिष्ठ पत्रकार दिनेश शुक्ल को रामेश्वर गुरु पुरस्कार दिया गया। तपोनिष्ठ पं सुंदरलाल श्रीधर स्मृति राज्य स्तरीय निबंध प्रतियोगिता के विजेता प्रतिभागियों को भी पुरस्कृत किया गया।

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'NAVDUNIYA'08 OCTOBER.2025

सप्रे संग्रहालय में सम्मान समारोह का आयोजन

विभूतियों का सम्मान समाज का दायित्व : तिवारी

स्वदेश ज्योति संवाददाता, भोपल

ऐसी विभूतियां जो समाज में विशिष्ट और दुर्लभ कार्य कर रही हैं, उनके कार्यों का मूल्यांकन कर उन्हें सम्मानित किया जाना चाहिए। यह समाज का दायित्व भी है। सप्रे संग्रहालय यह पुनीत कार्य कर रहा है। संग्रहालय की इस भावना की जितनी सराहना की जाये वह कम है।

यह कहना है माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी का। वे आज माधवराव सप्रे स्मृति समचार पत्र संग्रहालय एवं शोध संस्थान में आयोजित सम्मान समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। अध्यक्षता साहित्य अकादमी के निदेशक डा. विकास दवे ने की। सेज विवि के कुलाधिपति संजीव अग्रवाल विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों उत्कृष्ट कार्य करने वाली विभूतियों को सम्मानित किया गया। मुख्यअतिथि तिवारी ने संग्रहालय से अपने निजी जुड़ाव का उल्लेख करते हुए कहा कि पत्रकारिता विवि मेरा 'गुरुकुल' है तो सप्रे संग्रहालय मेरा 'आंगन' रहा। यहां उपलब्ध सामग्री का उपयोग कर मैंने अपना ज्ञान और लेखन कला दोनों को ही निखारा। अध्यक्षीय उद्बोधन में डॉ. विकास दवे ने कहा कि इस मंच से शिक्षा, ज्ञान परंपरा, पर्यावरण, पत्रकारिता आदि क्षेत्रों की प्रतिभाओं का सम्मानित किया गया है। इस तरह कह सकते हैं कि यह सम्मानित विभूतियां 'पंच परिवर्तन' का प्रतीक हैं। विशिष्ट अतिथि संजीव अग्रवाल ने कहा कि सप्रे संग्रहालय ज्ञान का खजाना है। यहां संग्रहीत सामग्री का 'डिजिटाइजेशन' हो रहा है, इससे यह सामग्री आने वाली कई पीढियों के लिए सुरक्षित हो गई है। इस अवसर पर महात्मा गांधी सम्मान से विभूषित वेद मर्मज्ञ आचार्य प्रभुदयाल मिश्र ने 'गांधीत्व एक सहयात्रा' विषय पर वक्तव्य देते हुए कहा कि गांधी सनातन वैष्णवता की पहचान हैं। इस कार्य के लिए बापू को आदि शंकराचार्य, तुलसी और स्वामी दयानंद के समकक्ष रखा जाना चाहिए। आरंभ में संग्रहालय की ओर से समिति के अध्यक्ष डॉ. शिवकुमार अवस्थी एवं विवेक श्रीधर ने अतिथियों का स्वागत किया। नई परंपरा के तहत साहित्यकार डॉ. रामवल्लभ आचार्य के 'भाषायी गीत' का गान भी हुआ। संचालन निदेशक अरविंद श्रीधर ने किया तथा आभार प्रदर्शन डॉ. अल्पना गिरी ने किया। कार्यक्रम में इतिहासकार शंभुदयाल गुरु, रंगकर्मी राजीव वर्मा, संग्रहालय के संस्थापक निदेशक विजयदत्त श्रीधर के साथ ही जिन मनीषियों के नाम से सम्मान स्थापित हैं उनके परिजन एवं शहर के प्रबुद्धजन उपस्थित रहे।

इनका हुआ सम्मान

कार्यक्रम में भारतीय ज्ञान परंपरा के अध्येता आचार्य प्रभुदयाल मिश्र, भोपाल को 'महात्मा गांधी सम्मान' से विभूषित किया गया। शिक्षाविद डा. सरोज गुप्ता, सागर को 'डा. हरिकृष्ण दत्त शिक्षा सम्मान' से सम्मानित किया गया। 'डा. लक्ष्मीनारायण गुप्त महाकौशल पत्रकारिता पुरस्कार' जबलपुर के वरिष्ठ पत्रकार संजय साहू को प्रदान किया गया। इंदौर में शोध संदर्भ सामग्री के संचयन में तीन दशक से समर्पित कमलेश सेन, उद्घोषक संजय श्रीवास्तव तथा सुनील दुबे 'वृक्षमित्र' को 'कर्मवीर सम्मान' से सम्मानित किया गया। साथ ही वरिष्ठ पत्रकार दिनेश शुक्ल को उत्कृष्ट पत्रकारिता के लिए 'रामेश्वर गुरु पुरस्कार' दिया गया। इसके साथ ही स्वतंत्रता संग्राम सेनानी तपोनिष्ठ पं. सुंदरलाल श्रीधर की स्मृति में आयोजित राज्य स्तरीय निबंध प्रतियोगिता के प्रतिभागियों को भी पुरस्कृत किया गया।

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'SWADESH JYOTY'08 OCTOBER.2025

कर्मवीर सम्मान से सम्मानित हुए वृक्ष मित्र सुनील दुबे

भोपाल। स्प्रे संग्रहालय के पद्मश्री विजय दत्त श्रीधर, शिव कुमार अवस्थी, अटल बिहारी विश्वविद्यालय के कुलगुरू, साहित्य परिषद से अध्यक्ष विकास दवे, प्रभु दयाल मिश्र, शैज विश्वविद्यालय के संस्थापक ने मंच से सम्मानित किया मंच पर सभी को वृक्ष मित्र सुनील दुबे ने हरिद्वार तुलसी, दुर्लभ प्रजाति की लौंग तुलसीयां भेंट की ।

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'RASHTRIYA HINDIMAIL'08 OCTOBER.2025

पत्रकारिता को सुंदर ढंग से गढ़ने वाले महापुरुषों में माणिकचंद्र वाजपेयी का नाम प्रमुख: जोशी

माणिकचंद्र वाजपेयी की जयंती प्रसंग पर विश्व संवाद केंद्र में हुआ विशेष

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मामाजी पत्रकारों को चरणबद्ध ढंग से गढ़ते थे। पत्रकारिता के साथ वे जीवन के संस्कार भी सिखाते थे। उन्होंने हमेशा अपने उदाहरण से पत्रकारिता और लोक आचरण सिखाया। यह बात वरिष्ठ पत्रकार गिरीश उपाध्याय ने माणिकचंद्र वाजपेयी के जयंती प्रसंग पर विश्व संवाद केंद्र, मध्यप्रदेश की ओर से आयोजित विशेष व्याख्यान को संबोधित करते हुए कही।

कार्यक्रम का आयोजन शिवाजी नगर स्थित माणिकचंद्र वाजपेयी सभागार, विश्व संवाद केंद्र में मंगलवार को किया गया। इस अवसर पर अतिथि के रूप में गिरीश जोशी उपस्थित रहे और अध्यक्षता लाजपत आहूजा ने की। उपाध्याय ने कहा कि एक पत्रकार को समाचार पत्र के प्रकाशन की सम्पूर्ण जानकारी हो, इसकी चिंता वे करते थे। इस अवसर पर माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में सहायक कुलसचिव एवं लेखक गिरीश जोशी ने कहा कि भारत में पत्रकारिता को गढ़ने वाले महापुरुषों में माणिकचंद्र वाजपेयी का प्रमुख नाम है। पत्रकारिता में उनका ध्येय राष्ट्रहित था। आज भी वह को हम स्मरण करते हैं क्योंकि उन्होंने पत्रकारिता के मूल्यों से समझौता नहीं किया।

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'HARIBHOOMI'08 OCTOBER.2025

सप्रे संग्रहालय में सम्मान समारोह का आयोजन

समाज के हित के लिए कार्यरत विभूतियों के कार्यों का मूल्यांकन कर सम्मानित किया जाना हमारा एवं समाज का अहम दायित्व

सेज विवि के कुलाधिपति संजीव अग्रवाल विशेष अतिथि के रूप मे रहे मौजूद

हरिभूमि न्यूज >> भोपाल

ऐसी विभूतियां जो व्यापक समाज हित के लिए विशिष्ट और मूल्यवान कार्य कर रही हैं, उनके कार्यों का मूल्यांकन कर उन्हें सम्मानित किया जाना समाज का दायित्व है। जिन्हें सम्मानित किया गया है उनका कृतित्व तो वंदनीय है ही, इस पुनीत दायित्व के निर्वहन के लिए सप्रे संग्रहालय भी बधाई का पात्र है। यह कहना है माखनलाल चतुर्वेदी विवि के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी का। वे संग्रहालय के व्याख्यान सप्रे संग्रहालय में आयोजित सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता साहित्य अकादमी के निदेशक डा. विकास दवे ने की। सेज विवि के कुलाधिपति संजीव अग्रवाल विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली विभूतियों को सम्मानित किया गया।

महाकोशल पत्रकारिता पुरस्कार जबलपुर के पत्रकार संजय साहू को

कार्यक्रम में भारतीय ज्ञान परंपरा के अध्येता आचार्य प्रभु [illegible] पाल को महात्मा गांधी सम्मान से विभूषित किया गया। शिक्षाविद डा. सरोज गुप्ता, सागर को डा. हरिकृष्ण दत्त शिक्षा सम्मान से सम्मानित किया गया। डा. लक्ष्मीनारायण गुप्त महाकौशल पत्रकारिता पुरस्कार जबलपुर के वरिष्ठ पत्रकार संजय साहू को प्रदान किया गया। संजय श्रीवास्तव तथा सुनील दुबे को कर्मवीर सम्मान से सम्मानित किया गया।

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'HARIBHOOMI'08 OCTOBER.2025

दैनिक भास्कर भोपाल 08-10-2025

समाजहित में योगदान देने वालीं विभूतियां सम्मानित

माधव राव सप्रे संग्रहालय में हुआ सम्मान समारोह

सिटी रिपोर्टर | भोपाल

माधवराव सप्रे स्मृति समाचार पत्र संग्रहालय में आयोजित समारोह में कई विभूतियों का सम्मान किया गया। मुख्य अतिथि, माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने समाजहित में योगदान देने वाली विभूतियों का सम्मान आवश्यक बताया। अध्यक्षता साहित्य अकादमी के निदेशक डॉ. विकास दवे ने की, जबकि विशेष अतिथि सेज विश्वविद्यालय के कुलाधिपति संजीव अग्रवाल ने संग्रहालय के डिजिटाइजेशन की महत्ता बताई। पत्रकार दिनेश शुक्ल को उत्कृष्ट पत्रकारिता के लिए 'रामेश्वर गुरु पुरस्कार' से सम्मानित किया गया।

इसके साथ ही आचार्य प्रभुदयाल मिश्र (महात्मा गांधी सम्मान), डॉ. सरोज गुप्ता (डॉ. हरिकृष्ण दत्त शिक्षा सम्मान), संजय साहू (डॉ. लक्ष्मीनारायण गुप्त महाकौशल पत्रकारिता पुरस्कार) और कमलेश सेन, संजय श्रीवास्तव, सुनील दुबे 'वृक्षमित्र' (कर्मवीर) सम्मान मिला। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी पं. सुंदरलाल श्रीधर स्मृति निबंध प्रतियोगिता में अक्षत पटेल, शुभम सक्सेना और मंजू महेडिया को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम का संचालन अरविंद श्रीधर और आभार प्रदर्शन डॉ. अल्पना गिरी ने किया।

मामा माणिकचंद्र वाजपेयी के जयंती प्रसंग पर विश्व संवाद केंद्र में हुआ विशेष व्याख्यान

पत्रकारों को चरणबद्ध ढंग से गढ़ते थे मामाजीः उपाध्याय

विशेष संवाददाता ■ भोपाल

मामाजी माणिकचंद्र वाजपेयी यह चिंता करते थे कि एक पत्रकार को समाचार पत्र के प्रकाशन की सम्पूर्ण जानकारी हो। उन्होंने मुझे सबसे पहले समाचार पत्र के तकनीकी कार्य सिखाए। उनके सान्निध्य में मैंने पत्रकारिता सीखी। मेरी पत्रकारिता पर उनकी गहरी छाप है। मामाजी पत्रकारों को चरणबद्ध ढंग से गढ़ते थे। पत्रकारिता के साथ वे जीवन के संस्कार भी सिखाते थे। उन्होंने हमेशा अपने उदाहरण से पत्रकारिता और लोक आचरण सिखाया। मामा माणिकचंद्र वाजपेयी के जयंती प्रसंग पर विश्व संवाद केन्द्र में हुए व्याख्यान के दौरान यह विचार वरिष्ठ पत्रकार गिरीश उपाध्याय एवं स्वदेश समूह के सलाहकार संपादक ने प्रकट किए।

मामा माणिकचंद्र वाजपेयी के जन्म जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में भोपाल के शिवाजी नगर स्थित विश्व संवाद केन्द्र के सभागार में मामाजी माणिकचंद्र वाजपेयी और पत्रकारिता का वर्तमान परिदृश्य विषय पर व्याख्यान हुआ। इस अवसर पर अतिथि के रूप में गिरीश जोशी उपस्थित रहे और अध्यक्षता लाजपत आहूजा ने की। कार्यक्रम के दौरान वाल्मीकि जयंती के प्रसंग पर महर्षि वाल्मीकि के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें स्मरण किया गया। इसके साथ ही विश्व संवाद केंद्र के विशेषांक कन्वर्जन का खेल- निशाने पर जनजातीय, का विमोचन भी किया गया।

विशेषांक का संपादन युवा पत्रकार एवं लेखक सुदर्शन व्यास ने किया है। कार्यक्रम का संचालन युवा पत्रकार अदिति रावत ने किया और आभार ज्ञापन न्यास के सचिव लोकेन्द्र सिंह ने किया।

यह कहा वक्ताओं ने

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में सहायक कुलसचिव एवं लेखक गिरीश जोशी ने कहा कि भारत में पत्रकारिता को गढ़ने वाले महापुरुषों में मामाजी माणिकचंद्र वाजपेयी का प्रमुख नाम है। मामाजी दूरदर्शी पत्रकार थे उन्होंने आपातकाल लगने से पहले ही अपने एक संपादकीय में इसकी आशंका व्यक्त कर दी थी। अध्यक्षीय उद्बोधन में विश्व संवाद केंद्र, मध्यप्रदेश के अध्यक्ष लाजपत आहूजा ने कहा कि मामाजी जमीनी आदमी थे इसलिए जीवन की बुनियादी बातों को समझते थे। उन्होंने बताया कि एक ध्येयनिष्ठ संपादक के रूप में अटल जी मामाजी का बहुत सम्मान करते थे।

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'SWADESH'08 OCTOBER.2025

पत्रकार-संपादक मामाजी माणिकचंद्र वाजपेयी के जयंती प्रसंग पर विश्व संवाद केंद्र में विशेष व्याख्यान का आयोजन

पत्रकारों को चरणबद्ध ढंग से गढ़ते थे मामाजी

स्वदेश ज्योति संवाददाता, भोपाल

मामाजी पत्रकारों को चरणबद्ध ढंग से गढ़ते थे। पत्रकारिता के साथ वे जीवन के संस्कार भी सिखाते थे। उन्होंने हमेशा अपने उदाहरण से पत्रकारिता और लोक आचरण सिखाया। यह विचार वरिष्ठ पत्रकार गिरीश उपाध्याय ने प्रख्यात संपादक मामाजी माणिकचंद्र वाजपेयी के जयंती प्रसंग पर विश्व संवाद केंद्र, मध्यप्रदेश की ओर से आयोजित विशेष व्याख्यान में व्यक्त किए। कार्यक्रम का आयोजन शिवाजी नगर स्थित माणिकचंद्र वाजपेयी सभागार, विश्व संवाद केंद्र में किया गया। इस अवसर पर अतिथि के रूप में गिरीश जोशी उपस्थित रहे और अध्यक्षता लाजपत आहूजा ने की। 'मामाजी माणिकचंद्र वाजपेयी और पत्रकारिता का वर्तमान परिदृश्य' विषय पर अपने विचार व्यक्त करते हुए गिरीश उपाध्याय ने कहा कि एक पत्रकार को समाचार पत्र के प्रकाशन की सम्पूर्ण जानकारी हो, इसकी चिंता वे करते थे। उन्होंने मुझे सबसे पहले समाचार पत्र के तकनीकी कार्य सिखाये। उसके बाद उन्होंने इंदौर के सबसे बड़े सांस्कृतिक आयोजन अनंत चतुर्दशी के चल समारोह का कवरेज करने की जिम्मेदारी दी, जिसके माध्यम से एक शहर को, उसकी संस्कृति को, जनमानस के उल्लास और आनंद के स्रोत को जानने का अवसर मिला। गिरीश उपाध्याय जी ने अपने अनुभव सुनाते हुए कहा कि मैं शिक्षक बनने के लिए भोपाल आया था लेकिन बाद में स्वदेश के साथ जुड़ गया। मुझे भोपाल से इंदौर में मामाजी के पास भेजा गया। उनके सान्निध्य में मैंने पत्रकारिता सीखी। मेरी पत्रकारिता पर उनकी गहरी छाप है।

विशेषांक का विमोचन

कार्यक्रम में वाल्मीकि जयंती के प्रसंग पर महर्षि वाल्मीकि जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें स्मरण किया गया। इसके साथ ही विश्व संवाद केंद्र के विशेषांक 'कन्वर्जन का खेल निशाने पर जनजातीय' का विमोचन भी किया गया। विशेषांक का संपादन युवा पत्रकार एवं लेखक सुदर्शन व्यास ने किया है। कार्यक्रम का संचालन युवा पत्रकार अदिति रावत ने किया और आभार ज्ञापन न्यास के सचिव लोकेन्द्र सिंह ने किया।

उनकी पत्रकारिता का ध्येय राष्ट्रहित था: जोशी

इस अवसर पर माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में सहायक कुलसचिव एवं लेखक गिरीश जोशी ने कहा कि भारत में पत्रकारिता को गढ़ने वाले महापुरुषों में मामाजी माणिकचंद वाजपेयी का प्रमुख नाम है। पत्रकारिता में उनका ध्येय राष्ट्रहित था। आज भी मामाजी को हम स्मरण करते हैं क्योंकि उन्होंने पत्रकारिता के मूल्यों से समझौता नहीं किया। इसके साथ ही उन्होंने मानवीय मूल्यों को भी बढ़ावा दिया। समाचार पत्र में प्रूफ रीडिंग और कम्पोजिंग से लेकर संपादन तक सारे कार्य मामाजी कर लेते थे। श्री जोशी ने कहा कि मामाजी दूरदर्शी पत्रकार थे उन्होंने आपातकाल लगने से पहले ही अपने एक संपादकीय में इसकी आशंका व्यक्त कर दी थी। वे बड़े से बड़े विषय को पाठकों के बीच पहुंचाने के लिए समसामयिक उदाहरण देते थे। श्री जोशी ने कहा कि मामाजी ने स्वदेशी के महत्व पर बहुत पहले लिखा। उन्होंने कहा कि स्वदेशी केवल वस्तु तक सीमित नहीं है अपितु यह एक विचार है।

जमीनी आदमी थे मामाजी: आहूजा

अध्यक्षीय उद्बोधन में विश्व संवाद केंद्र के अध्यक्ष लाजपत आहूजा ने कहा कि मामाजी भिंड में निजी महाविद्यालय में संचालन की जिम्मेदारी संभाल रहे थे लेकिन नियति उन्हें पत्रकारिता में ले आयी। मामाजी जमीनी आदमी थे इसलिए जीवन की बुनियादी बातों को समझते थे। उन्होंने बताया कि विश्व संवाद केंद्र ने मामाजी की जन्मशती पर दिल्ली में समारोह का आयोजन किया। मामाजी और पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का निकट का संबंध था। एक ध्येयनिष्ठ संपादक के रूप में अटल जी मामाजी का बहुत सम्मान करते थे। मामाजी ने जो शब्द लिखे, उन्हें जिया भी। मामाजी ने पत्रकारिता में नैतिकता के मापदंड भी प्रस्तुत किए। उन्होंने सेक्स स्कैंडल में फंसे एक नेता के चित्र छापने से इनकार कर दिया था क्योंकि उनका मानना था कि समाचार पत्र परिवारों में पढ़ा जाता है।

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'SWADESH JYOTY'08 OCTOBER.2025